भीलवाड़ा सुर संगम के छठे संस्करण का समापन

नई दिल्ली। भीलवाड़ा समूह के शास्त्रीय संगीत उत्सव भीलवाड़ा सुरसंगम के छठे संस्करण का रविवार को समापन हुआ। इस साल प्रदर्शन करने वाले और दर्शकों को रोमांचित करने वालों में उस्ताद एफ वसीफुद्दीन डागर, पंडित बुद्धातित्य मुखर्जी और गण सरस्वती किशोरी अमोनकर शामिल रहे। संगीत उत्सव के पहले दिन उस्ताद एफ वसीफुद्दीन डागर की तान और उनके अलग अंदाज ने श्रोताओं का मनमोह लिया। उस्ताद एफ वसीफुद्दीन डागर ध्रुपद शैली के एक भारतीय शास्त्रीय गायक हैं, जिन्हें 2010 में पद्मश्री पुरस्कार भी मिला था। इसके बाद हिंदुस्तान सितारवादक और इमधड़कनी घराने के सुरबहार कलाकार पंडित बुद्धादित्य मुखर्जी ने भी अपने प्रदर्शन को सबका मनमोह लिया, जो हाउस ऑफ कमन्स, लंदन में प्रदर्शन करने वाले पहले संगीतज्ञ बनकर इतिहास रच चुके हैं। आखिरी प्रदर्शन 26 मार्च को किशोरी अमोनकर द्वारा किया गया, जिन्हें हिंदुस्तानी परंपरा का अग्रणी गायक और जयपुर घराने की खोज करने वाला माना जाता है। उन्हें1987 में पद्मभूषण और 2002 में पद्म विभूषण भी मिला था।